हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार : ऑनलाइन आयोजन लोकल से ग्लोबल तक

रामलाल आनंद महाविद्यालय के हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक सत्र 2021-22 में अनेक आयोजन किए गए। सत्र का अधिकांश समय ऑनलाइन रहा,लिहाजा आयोजन भी अधिकतर ऑनलाइन ही हुए। मातृ भाषा दिवस पर कविता पाठ और पत्रकारिता में ट्रॉमा साक्षरता नामक आयोजन का स्वरूप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों रखा गया।
आयोजनों की शुरुआत 9 अगस्त 2021 को आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 'आजादी @ 75 : पत्रकारिता के दायित्व और चुनौतियां' विषयक वेबिनार से हुई। इसमें विशेषज्ञ के तौर पर इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मास कम्युनिकेशन (आईआईएमसी) के रेडियो, टीवी जर्नलिज्म विभाग के कोर्स डायरेक्टर प्रो. गोविंद सिंह और वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक अरुण त्रिपाठी शामिल हुए। विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार ने वक्ताओं का स्वागत करते हुए विषय की रूपरेखा रखी। तत्पश्चात प्रो. गोविंद सिंह ने तथ्यात्मक जानकारी देते हुए चरणबद्ध तरीके से हिंदी पत्रकारिता की चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने वक्तव्य की शुरुआत स्वतंत्रता पूर्व की पत्रकारिता और देश की आजादी में उसकी भूमिका को स्पष्ट करते हुए की। 1947-1977 के दौर की चुनौतियों और दायित्व को रेखांकित करते हुए उनका कहना था कि इस दौर में हिंदी पत्रकारिता में दिशाहीनता की स्थिति थी और आपातकाल के समय प्रेस सेंसरशिप ने पत्रकारिता की जैसे कमर ही तोड़ दी थी। 1977-1991 के काल में टेक्नोलॉजी का उन्नयन, कंटेंट का स्तरीकरण, वीडियो पत्रकारिता का उदय जैसे तेजी से होते अनेक बदलाव पर उन्होंने अपना ज्ञान विद्यार्थियों के साथ साझा किया। 1991 में भारत में उदारीकरण और वैश्वीकरण की नीतियां आ जाने से पत्रकारिता में टीवी समाचार का उभार, रेडियो का पूर्वजन्म और इंटरनेट की लोकप्रियता में वृद्धि जैसे विषयों को भी विस्तार में समझाया। दूसरे वक्ता अरुण त्रिपाठी ने वैचारिक रूप से पत्रकारिता और लोकतंत्र के संबंध को रेखांकित किया। उन्होंने अपने वक्तव्य की शुरुआत में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का कथन दोहराते हुए कहा कि आजादी का अर्थ सिर्फ किसी विदेशी शासन से स्वतंत्रता प्राप्त करना नहीं परंतु व्यक्तिगत स्वतंत्रता है। उनका कहना था कि लोकतंत्र सिर्फ एक ढांचा नहीं बल्कि एक संस्कृति है। लोकतंत्र में सत्य दिखाना ही पत्रकारिता का दायित्व है और नैतिकता ही पत्रकार की ताकत है, लेकिन पत्रकार की दुविधा यह है कि राष्ट्र, संस्था, सरकार के बीच फंसकर सत्य पीछे छूट जाता है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि समय-समय पर गिरते पड़ते भी भारतीय पत्रकारिता ने अपना दायित्व निभाया है। हिंदी विभाग के शिक्षक प्रो. संजय कुमार शर्मा ने सभी का धन्यवाद करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।
विभाग की ओर से 9 अक्टूबर 2021 को 'न्यायालय की अवमानना और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें उच्चतम न्यायालय दिल्ली के अधिवक्ता राजीव तिवारी और न्यूज़ 24 के असिस्टेंट एडिटर प्रभाकर मिश्रा वक्ता के रूप में शामिल हुए। दोनों वक्ताओं ने अपने ज्ञान, अनुभव और प्रयोग के आधार पर विद्यार्थियों को न्यायालय की अवमानना से अवगत कराया। अधिवक्ता राजीव तिवारी ने बताया कि न्यायालय की अवमानना का आशय न्यायालय के किसी काम में बाधा उत्पन्न करना और न्यायालय के आदेश को न मानना तथा न्यायिक प्रक्रिया के ऊपर निराधार टिप्पणी करने से है। उन्होंने यह भी बताया कि किसी मामले का प्रकाशन, न्यायिक कृत्यों की निष्पक्ष और उचित आलोचना तथा न्यायालय के प्रशासनिक पक्ष पर टिप्पणी करना न्यायालय की अवमानना के अंतर्गत नहीं आता है। पत्रकार प्रभाकर मिश्रा ने बताया कि किस तरह रिपोर्टिंग के दौरान न्यायालय की अवमानना से बचा जा सकता है।
हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए परिचय कार्यक्रम 18 जनवरी 2022 को रखा गया। विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार ने विभाग और उसमें होने वाली गतिविधियों के बारे में बताया। साथ ही विभाग के शिक्षकों की विशेषज्ञता के बारे में जानकारी देते हुए विभागीय गतिविधियों में बढ़-चढ़ कर सहभागिता करने को प्रेरित किया। तत्पश्चात सभी विद्यार्थियों ने बारी बारी से अपना परिचय देते हुए अपनी रुचियों से अवगत कराया। विभाग के शिक्षकों ने भी बारी बारी से अपनी बात रखी।
इसी कड़ी में विभाग ने 19 व 20 फरवरी 2022 को दो दिवसीय 'डिजिटल सेफ्टी एंड प्राइवेसी' कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में अतुल आनंद को आमंत्रित किया गया। कार्यशाला में डाटा चोरी, ऑनलाइन खरीदारी, पासवर्ड सुरक्षा व निजी जानकारियां जैसे गंभीर मुद्दों पर जानकारी साझा की गई और विद्यार्थियों को इस प्रयोगात्मक कार्यशाला के माध्यम से कुशल बनाया गया।
विभाग ने 21 फरवरी 2022 को मातृ भाषा दिवस पर मातृ भाषा लोकगीत उत्सव का आयोजन किया, जिसमें उन्हें मातृ भाषा की महत्ता के बारे में पाठ्यक्रम संयोजक की ओर से बताया गया। इसी कड़ी में अनेक विद्यार्थियों ने बारी-बारी से अपनी मातृ भाषा

में कविताओं का पाठ किया। इस कविता पाठ में कई विद्यार्थियों ने अपनी स्वरचित कविताओं का पाठ किया तो कई ने दूसरे कवियों की रचनाओं का पाठ किया। इसमें भोजपुरी, अवधी, मैथिली आदि अनेक भाषाओं की कविताएं सुनने को मिलीं।
सत्र के आयोजनों की अंतिम कड़ी के रूप में 'पत्रकारिता में ट्रॉमा साक्षरता' विषयक इंटरनेशनल वेबिनार आयोजित किया गया। इसमें देश के अनेक राज्यों सहित दुनिया के कई देशों के विशेषज्ञों ने लिया हिस्सा लिया। महाविद्यालय के हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग और यूके के लिंकन विश्वविद्यालय के सहयोग से तीन सत्रों में आयोजित होने वाले वेबिनार में भारत सहित यूकेए नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका, भूटान आदि देशों के विशेषज्ञों ने शिरकत की। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के तौर पर इंडिया टीवी के सलाहकार संपादक अजय कुमार ने अयोध्या, 9/11 की घटना और लखीमपुर खीरी में हुए घटनाक्रम का जिक्र करते हुए पत्रकारिता में ट्रॉमा की बात की। मुख्य वक्ता व लिंकन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ इंग्लिश एंड जर्नलिज्म के संयोजक ओलाटुनजी ओगुनेमी ने पत्रकारिता में ट्रॉमा साक्षरता को नया और मुख्य मुद्दा बताया। साथ ही उन्होंने पत्रकारिता की शिक्षा में ट्रॉमा साक्षरता को शामिल करने और इसे व्यवहार में लाने की वकालत की। दूसरी मुख्य वक्ता सेंटर फॉर कल्चर मीडिया एंड सोसायटी शेफील्ड हल्लम यूनिवर्सिटी की डॉ. लाडा प्राइस थीं, जिन्होंने कहा कि पत्रकारिता बहुत संवेदनशील कार्य है, जिसका प्रभाव न सिर्फ आम जनता पर पड़ता है बल्कि खुद पत्रकार पर भी पड़ता है। दूसरे सत्र में नेपाल के प्रो. चिरंजीवी खनाल ने भूकम्प आने और कुछ समय पहले आई आपदा के समय किस तरह की ट्रॉमा की स्थिति उत्पन्न हुई,उससे पत्रकार कितना प्रभावित रहे, इस पर बात रखी। श्रीलंका से डॉ. अचला अबेकून ने देश में मौजूदा समय के हालात से किस तरह पत्रकारों को जूझना पड़ रहा है, इस पर बिन्दुवार बताया। भूटान से जुड़ीं डॉ. पल्लवी मजूमदार ने बताया कि ट्रॉमा हर जगह है। इसकी शिक्षा भी हर जगह होनी चाहिए। पाकिस्तान के पेशावर से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार मो. शाहिद का कहना था कि हमारे यहां पत्रकार यूनियनों का संपर्क मनोचिकित्सकों से रहता है, जिससे समय समय पर पत्रकार उनसे ट्रॉमा के संबंध में सलाह लेते हैं। भोपाल के शाहरोज अफरीदी, इन्द्रप्रस्थ कॉलेज-दिल्ली विवि की डॉ. तनुश्री, प्रेसीडेंसी कॉलेज बंगलुरु की डॉ. शिल्पा कल्याण, एमिटी विवि की डॉ. अंशु अरोड़ा, मौलाना अब्दुल कलाम आजाद विवि-पश्चिम बंगाल की डॉ. मौमुखर्जी दास ने भी ट्रॉमा साक्षरता की जरूरत पर बल दिया।केन्द्रीय विवि जम्मू की डॉ. अर्चना कुमारी ने वेबिनार का संचालन किया। आयोजन की शुरुआत में संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने वेबिनार की रूपरेखा रखी तो प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता ने वक्ताओं का स्वागत करते हुए विभाग में होने वाले बदलावों को रेखांकित किया। माइक्रोबायलाजी विभाग की प्रो. प्रेरणा दीवान ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।
इन आयोजनों के बीच विभाग ने केन्द्र सरकार के स्वायत्त संस्थान विज्ञान प्रसार के संयुक्त तत्वावधान में 'विज्ञान व पर्यावरण संचार में अनिवार्य कौशल' विषय पर एक सर्टिफिकेट कोर्स चलाया, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के 80 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। 9 अक्टूबर 2021 से 19 दिसम्बर 2021 तक 40 घंटों के इस कोर्स में विज्ञान व पर्यावरण संचार संबंधी विभिन्न विषयों से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। कोर्स की शुरुआत और समापन आनलाइन समारोह में किया गया जिसमें विज्ञान प्रसार के निदेशक नकुल पाराशर, विशेष अतिथि के रूप में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि के कुलपति केजी सुरेश, कालेज प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता सहित अनेक विशेषज्ञों ने अपनी बात रखी। संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने कोर्स की महत्ता पर बात की।
इन सभी आयोजनों में अलग अलग सह संयोजक के रूप में विभाग के शिक्षक डॉ. अटल तिवारी, डॉ. सीमा भारती, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. निशा सिंह और सुश्री श्वेता आर्या की प्रमुख भूमिका रही। साथ ही पत्रकारिता के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया।

प्रो. राकेश कुमार
संयोजक, हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार
रामलाल आनंद महाविद्यालय, दिल्ली विवि

हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
राम लाल आनंद महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

आमंत्रित करता है

दो दिवसीय कार्यशाला

डिजिटल सुरक्षा और गोपनीयता

विशेषज्ञ

अतुल आनंद
डिजिटल सुरक्षा विशेषज्ञ

तारीख- 19 और 20 फरवरी, 2022
समय- 11 am से 1 pm
स्थान- गूगल मीट

रजिस्ट्रेशन लिंक -
https://forms.gle/wLV4AvRitGUJVi7s9

सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया जाएगा

प्रो राकेश कुमार	डॉ. निशा सिंह	प्रो. राकेश कुमार गुप्ता
विभागाध्यक्ष	कार्यशाला संयोजक	प्राचार्य

संपर्क करें- 7905722675 (विकास त्रिपाठी)
85880 19992(गीतू कत्याल)

हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
राम लाल आनंद महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय
प्रस्तुत करता है
मातृ भाषा दिवस
के शुभ अवसर पर
मातृ भाषा लोकगीत उत्सव
दिनांक - 21 फरवरी 2022
समय - 11:00 बजे प्रातः
स्थान - गूगल मीट
लिंक - https://meet.google.com/iox-jeif-efz
(सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिया जाएगा)
पंजीकरण के लिए संपर्क करें
शिवानी - बीजेएमसी प्रथम वर्ष
8799791916
प्रो. राकेश कुमार गुप्ता
प्राचार्य
रामलाल आनंद महाविद्यालय
डॉ. प्रदीप कुमार
कार्यक्रम संयोजक
प्रो. राकेश कुमार
विभागाध्यक्ष, हिंदी और
हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

राम लाल आनंद महाविद्यालय
(दिल्ली विश्वविद्यालय)

प्रस्तुत करता है

एक दिवसीय वेबिनार

आजादी @ 75: पत्रकारिता के दायित्व एवं चुनौतियां

विशेषज्ञ

प्रो. गोविंद सिंह
आईआईएमसी

अरुण त्रिपाठी
पत्रकार एवं लेखक

9 अगस्त 2021
....
सुबह 11 बजे
....
गूगल मीट लिंक

https://meet.google.com/ehk-xwpj-bov

विभागाध्यक्ष	वेबिनार संयोजक	प्राचार्य
(प्रो. राकेश कुमार)	(डॉ. अटल तिवारी)	(प्रो. राकेश कुमार गुप्ता)

हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
राम लाल आनंद महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रस्तुत करता है

वेबीनार

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और प्रेस

प्रभाकर मिश्रा
असिस्टेंट एडिटर(न्यूज 24)

राजीव कुमार तिवारी
वरिष्ठ अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

समय - सुबह 11 से दोपहर 1 तक
दिनांक- 7 अक्टूबर 2021

प्रो.राकेश कुमार
प्रभारी
दी पत्रकारिता एवं जनसंचार
विभाग

असिस्टेंट प्रो.सीमा भारती
वेबिनार संयोजक
हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार
विभाग

डॉ.राकेश कुमार गुप्ता
प्राचार्य
राम लाल आनंद
महाविद्यालय

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें- 7492859897 (सुमित कुमार)

Valedictory Session

of

Certificate Course

Essential Skills in Science & Environment Communication

Dr. Nakul Parashar
Director
Vigyan Prasar

Prof. Rakesh Kumar Gupta
Principal
Ram Lal Anand College

Prof. Rakesh Kumar
Course Coordinator
Ram Lal Anand College

Mr. Nimish Kapoor
Sr. Scientist
Vigyan Prasar

19-12-21

Time: 11AM

Google Meet

Link: https://meet.google.com/txp-gkhp-uoj

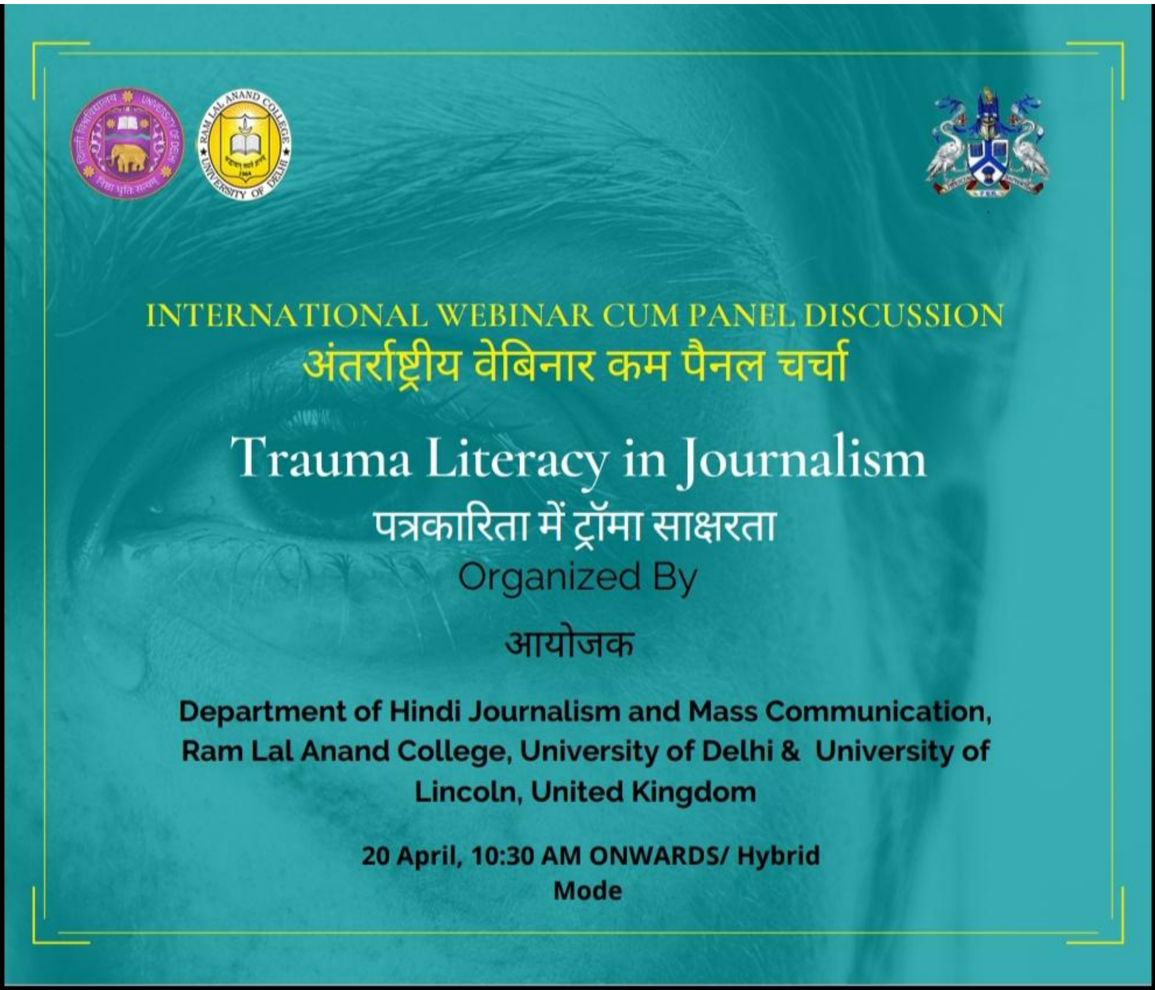
INTERNATIONAL WEBINAR CUM PANEL DISCUSSION
अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार कम पैनल चर्चा
Trauma Literacy in Journalism
पत्रकारिता में ट्रॉमा साक्षरता
Organized By
आयोजक
Department of Hindi Journalism and Mass Communication, Ram Lal Anand College, University of Delhi & University of Lincoln, United Kingdom
20 April, 10:30 AM ONWARDS/ Hybrid Mode

CHIEF SPEAKERS
CHIEF GUEST:
SH.AJAY KUMAR
CONSULTING EDITOR, INDIA TV
KEYNOTE SPEAKER:
DR. OLATUNJI OGUNYEMI
CONVENER, SCHOOL OF ENGLISH AND JOURNALISM UNIVERSITY OF LINCOLN , UNITED KINGDOM
KEYNOTE SPEAKER:
DR. LADA PRICE
CENTER FOR CULTURE MEDIA AND SOCIETY, SHEFFIELD HALLAM UNIVERSITY, UNITED KINGDOM

हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
राम लाल आनंद महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रस्तुत करता है
वेबिनार

मीडिया शोध: कौशल, अवसर और संभावनाएं

वक्ता: डॉ. धनंजय चोपड़ा
कोर्स कोऑर्डिनेटर
सेंटर ऑफ मीडिया स्टडीज़
इलाहाबाद विश्वविद्यालय

समय : शाम **3:30** से **5:30**
दिनांक : **29** सितंबर **2021**
स्थान : ज़ूम

रजिस्ट्रेशन के लिए क्लिक करें-
https://forms.gle/nHNBd8RdajUhwZmo6

प्रो. राकेश कुमार प्रभारी हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग	असिस्टेंट प्रो. श्वेता आर्या वेबिनार संयोजक हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग	प्रो. राकेश कुमार गुप्ता प्राचार्य राम लाल आनंद महाविद्यालय

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: गीत (8588019992)

Department of Hindi Journalism & Mass Communication
Ram Lal Anand College
University of Delhi

in collaboration with

Vigyan Prasar
Autonomous Organization, Department of Science & Technology, GOI

Offers
Certificate Course
in
Essential Skills in Science & Environmental Communication

Registration and Course Fee: Free
Start date: October 9, 2021
Last date for registration: October 8, 2021
Limited Seats: First come first serve basis
This course is restricted to Delhi University UG-PG Students

Click here for registration-
https://forms.gle/DsMTvUqHYXPNVbFV9

Prof. Rakesh Kumar
Course Coordinator, HOD
Ram Lal Anand College

Assistant Prof. Shweta Arya
Course Co-Coordinator
Ram Lal Anand College

Dr. Nimish Kapoor
Senior Scientist
Vigyan Prasar

Prof. Rakesh Kumar Gupta
Principal
Ram Lal Anand College

For any query contact: Vikash (7905722675), Geetu(8588019992)